

प्रेषक,

कुंवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

गिदेशक,  
रवजल परियोजना,  
देहरादून।

पैयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक १३ जनवरी, 2006

विषय : सम्पूर्ण रवच्छता अभियान हेतु जनपद उत्तरकाशी को राज्यांश की वर्ष 2005-06 में द्वितीय किस्त की वित्तीय रथीकृति।

## महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1519/एस-2(X)/2006 दिनांक 13 जनवरी, 2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी में सम्पूर्ण रवच्छता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा केन्द्रांश की राशि अवमुक्त किये जाने के फलाखरूप श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में देय राज्यांश की द्वितीय किस्त के रूप में निम्नलिखित काँलग-7 के विवरणानुसार रु 0 11.96 लाख (रु 0 रुपये लाख छियानवे हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष रथीकृति प्रदान करते हैं :—

(धनराशि रु 0 लाख में)

रथीकृत लागत				अवमुक्त केन्द्रांश	पूर्व में अवमुक्त राज्यांश	अवमुक्त की जारी राज्यांश की धनराशि
कुल	केन्द्रांश	राज्यांश	लागार्थी का अंश			
1	2	3	4	5	6	7
301.66	202.00	59.83	39.83	60.60	5.98	11.96

2. धनराशि का आहरण वार्ताविक आवश्यकता के आधार पर ही कोषागार से किया जायेगा तथा रथीकृत धन का 80 प्रतिशत उपयोग होने एवं केन्द्रांश की अगली किस्त प्राप्त होने के उपरान्त ही आगामी मांग प्रत्युत की जायेगी।

3. उक्त धनराशि निदेशक, पी0एम0य० रवजल परियोजना, उत्तरांचल देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त विल प्रत्युत्त करके कोषागार देहरादून से आहरित कर निदेशक, पी0एम0य० के देहरादून स्थित बैंक खाते में जमा की जायेगी।
4. उपर्युक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार किया जायेगा। धनराशि केवल स्वीकृत एवं अनुमोदित मदों पर ही व्यय की जायेगी। स्वीकृति से अधिक व्यय विस्तीर्णी भी दशा में नहीं किया जायेगा। गाड़ियों के अनुरक्षण, पेट्रोल व्यय, टेलीफोन व्यय, अतिरिक्त व्यय की मदों के लिए मानकों को निर्धारित कर उस पर पी0एम0य० की वित्त समिति का अनुगोदन प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। कार्यालय व्यय की धनराशि अनुमोदित मदों पर ही व्यय की जायेगी।
5. स्वीकृत धनराशि का विभिन्न मदों पर व्यय अनुमोदित परियोजना के अनुसार तथा सकारात्मक अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जायेगा। कार्यवार धनावंटन एवं व्यय की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
6. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मेनुअल फाइनेंशियल हैण्डबुक तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सकारात्मक प्राधिकारी की रवीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। इसके साथ ही समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा मितव्यता संबंधी शासनादेश के अनुसार ही धनराशि व्यय की जाय और गितव्यता बरती जाय।
7. उपरोक्त प्रत्यरूप-4 एवं 5 में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग / उपकम गे तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/सहायक लेखाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार से विचलन होगा तो रांबंधित वित्त नियंत्रक आदि का उत्तरदायित्व होगा। सम्पूर्ण विवरण सहित सूचना वित्त विभाग को दी जाय।
8. रवीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2006 तक पूर्ण उपयोग कर कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन एवं भारत सरकार को समयबद्ध रूप से प्रेषित कर दिया जायेगा।
9. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिकारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी गाने जायेंगे।
10. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-13 के लेखा शीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा राफाई-01-जलपूर्ति आयोजनागत -102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-04-ग्रामीण सम्पूर्ण रखचक्षता अग्रियान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज राहायता" के नामे डाला जायेगा।

11. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 131/XXXVII(2)/2006, दिनांक 20 जनवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
/  
(कुंवर सिंह)  
अपर राचिव

संख्या 102 (1)/उन्तीरा (2)/(24पे.)/06/2001 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोपाधिकारी, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
4. जिला पंचायत राज अधिकारी, उत्तरकाशी।
5. डी०पी०एग०य००, स्वजल परियोजना, उत्तरकाशी।
6. निदेशक, सी०आर०एस०टी०, ग्रामीण विकास मंत्रालय, पेयजल आपूर्ति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
7. वित्त अनुग्राम-2/नियोजन प्रकोष्ठ/पिता बजट रोल।
8. निदेशक, राष्ट्रना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
9. निजी राचिव, गा० मुख्य मंत्री जी।
10. रटाफ ऑफिरार मुख्य सचिव, उत्तरांचल।
11. आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
12. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
१०६  
(कुंवर सिंह)  
अपर सचिव